एक स्वर में खड़ा दिखाई दिया। जनता ने खुद को भाजपा की नौटंकी प्रति अपशब्दों का प्रयोग किया था। के साथ मारपीट की गई।

5जी सेवा शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ रहा बीएसएनएल

जागरण संवाददाता, पटना: बिहार के चन्देश्वर सिंह को पांचवीं बार नेशनल फेडरेशन आफ टेलीकाम एम्प्लाइज (एनएफटीई) का राष्ट्रीय महामंत्री निर्विरोध निर्वाचित होने के उपलक्ष्य में गुरुवार को पटना में उनके सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। कर्मचारियों को संबोधित करते हुए चन्देश्वर सिंह ने कहा कि 4जी स्पेक्ट्रम आधारित सेवाओं के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बुद्धस्तर पर कार्य चल रहा है और कंपनी 5जी सेवाएं शुरू करने की दिशा में भी अग्रसर है। सिंह ने खुलासा किया कि प्रबंधन ने अमेरिकी कंपनी बीसीजी को 132 करोड़ रुपये देकर सलाहकार नियुक्त किया है। हालांकि यह कंपनी बीएसएनएल के विकास के लिए कोई ठोस सुझाव नहीं दे रही, बल्कि कर्मचारियों की संख्या कम करने और खर्च बचाने की सलाह दे रही है।

एनएफटीई के राष्ट्रीय महामंत्री चन्देश्वर सिंह का स्वागत करते कर्मचारी• जागरण

श्रमिक बोर्ड में पंजीकृत हैं राज्य के 34 लाख निर्माण श्रमिक

पटना में निर्माणस्थलों पर श्रमिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

जागरण संवाददाता, पटना: अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आइएलओ)-जापान बहुपक्षीय परियोजना और इंटक के संयुक्त तत्वावधान में तीन व चार सितंबर को पटना में निर्माणस्थलों पर श्रमिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में प्रमुख श्रमिक संगठनों, उद्योगों और निर्माण कार्य से जुड़ी एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग के सचिव दीपक आनंद ने बिहार भवन एवं अन्य सनिर्माण कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं और प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वर्तमान में लगभग 34 लाख निर्माण श्रमिक बोर्ड के तहत पंजीकृत हैं, जिन्हें विवाह सहायता, मातृत्व लाभ, पितृत्व लाभ, शिक्षा के लिए, वित्तीय सहायता, मृत्यु अनुग्रह, भवन मरम्मती योजना, पेंशन और चिकित्सा सहायता जैसी 16 योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। पिछले वर्ष एक लाख से अधिक श्रमिकों को इन योजनाओं के तहत लगभग 560 करोड़ रुपये की सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से प्रदान की गई। साथ ही, योजनाओं के लिए निधि जुटाने के लिए 760 करोड़ रुपये श्रम उपकर से प्राप्त किए गए, जो एक रिकार्ड है।

सचिव ने कहा कि निर्माण कार्यस्थलों पर श्रमिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए श्रम विभाग द्वारा नियमित निरीक्षण और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा, विभागीय पदाधिकारियों और श्रमिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक और दीवार लेखन के माध्यम से पूरे राज्य में जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं।

विभाग के नवाचारों पर प्रकाश डालते हुए आनंद ने बताया कि पिछले एक वर्ष से 1000 से अधिक कामगारों को नियुक्त करने वाले बड़े प्रतिष्ठानों में 'श्रमिकों के द्वार' अवधारणा के तहत श्रमिक संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें अधिकारी सीधे श्रमिकों से संवाद कर उनकी समस्याओं को समझते हैं और प्रबंधन को सुधार के लिए निर्देश दिए जाते हैं।

****

दैनिक भास्कर पटना 05-09-2025

बीएसएनएल कर्मियों की समस्याओं की अनदेखी हो रही : चंदेश्वर

सिटी रिपोर्टर | पटना

चन्देश्वर सिंह बीएसएनएल में संचालित कर्मचारी संघ एनएफटीई के 5वीं बार राष्ट्रीय महामंत्री निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। उनके सम्मान में गुरुवार को समारोह हुआ। चन्देश्वर सिंह ने कहा कि बीएसएनएल उपभोक्ताओं को विश्वस्तर की सेवा देने के लिए प्रयत्नशील है। 4जी स्पेक्ट्रम पर आधारित सेवा देने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर युद्धस्तरीय कार्य चल रहा है। साथ ही कंपनी 5जी सेवा देने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कंपनी बीएसएनएल के प्रबंधन का काम कर रही है। यह कंपनी बीएसएनएल को विकसित करने की दिशा में कोई सुझाव नहीं देती है। बल्कि कर्मचारियों की संख्या कम करने का सुझाव देकर खर्च को बचाने की अनुशंसा करती है। संगठनों के विरोध के बावजूद इस कंपनी को भारी रकम में सलाहकार नियुक्त किया गया है। एक तरफ बीएसएनएल विकसित हो रहा है, दूसरी तरफ कर्मचारियों की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। 2007 के बाद से कर्मचारियों का वेतन पुनरीक्षण नहीं किया गया है। 60 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी कई वर्षों से वार्षिक वेतन बढ़ोतरी से वंचित हैं। पदोन्नति से संबंधित परीक्षाएं आयोजित नहीं हो रही हैं।